AUS2a10a-2012-10-15

नारियल

शुभ का सूचक होने के कारण नारियल को श्रीफल भी कहा जाता है। नारियल को शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। हिन्दू धर्म में हर त्यौहार में नारियल काम में आता है। किसी भी नए काम का आरंभ नारियल फोड़कर किया जाता है। कोई भी नयी चीज खरीदने पर उसका उपयोग नारियल फोड़कर ही शुरु किया जाता है। देवी-देवताओं पर भी नारियल चढ़ाया जाता है जिसे पूजा के बाद प्रसाद के रूप में बाँटा जाता है। किसी व्यक्ति के सम्मान के लिए भी नारियल भेंट में दिया जाता है। हिन्दू लोग की पूजा की आरती के समय कलश पर नारियल रखते हैं। ऐसा माना जाता है कि नारियल की शिखाओं में सकारात्मक ऊर्जा का भंडार पाया जाता है।

एक सौ आठ

हिन्दू धर्म में माला पहनना बहुत शुभ माना जाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार मनुष्य का मन चंचल होता है जिस पर नियंत्रण करने के लिए माला का उपयोग ज़रूरी माना गया है। हिन्दू माला में 108 मनके होते हैं क्योंकि इस संख्या को पूर्ण माना गया है। लोगों की धारणा है कि 108 संख्या में 'एक' और 'आठ' संख्याएँ होती हैं जिनका योग नौ होता है - 1+0+8 = 9। लोगों का मानना है कि नौ संख्या में चमत्कार होता है क्योंकि किसी भी संख्या का नौ से गुणा करने पर हमें जो संख्या प्राप्त होती है उसका योग भी नौ ही होता है। इसके अलावा यह भी माना जाता है कि संस्कृत वर्णमाला के अनुसार 'ब्रह्म' और 'संसार' जैसे शब्दों का योग भी 108 होता है। उदाहरण के लिए हम संस्कृत वर्णमाला को देख सकते हैं -

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ॠ	ऌ	ॡ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः

1	2	3	4	5
क	ख	ग	घ	ङ

6	7	8	9	10
च	छ	ज	झ	ञ

11	12	13	14	15
ट	ठ	ड	ढ	ण

16	17	18	19	20
त	थ	द	ध	न

21	22	23	24	25
प	फ	ब	भ	म

26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
य	र	ल	व	श	ष	स	ह	क्ष	त्र	ज्ञ

ब्रह्म = (ब = 23; र = 27; ह = 33; म = 25) 108

संसार = (स = 32; अं = 15; स = 32; आ = 2; र = 27) 108